vinetur

ब्रिटेन के पब संचालकों की चेतावनी : न्यूनतम वेतन में 3.9% वृद्धि से शिफ्टों में कटौती होगी

अप्रैल 2027 में प्रति घंटे £13.20 की दर लागू होने से ऊर्जा, कर और आपूर्तिकर्ताओं की लागत का दबाव बढ़ेगा

मंगलवार, 10 नवंबर 2026



ब्रिटेन के पब और आतिथ्य क्षेत्र के संचालकों ने मंगलवार, 10 नवंबर को कहा कि वेतन लागत बढ़ने से कारोबारियों को भर्ती, कर्मचारियों की संख्या और निवेश पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। ब्रिटेन के न्यूनतम वेतन में एक और वृद्धि अप्रैल 2027 में लागू होने वाली है।

28 अक्टूबर को शरदकालीन बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री John Healey ने पुष्टि की कि National Living Wage में 3.9% की वृद्धि होगी और यह £12.71 से बढ़कर £13.20 प्रति घंटा हो जाएगा। 18 से 20 वर्ष के युवाओं के लिए National Minimum Wage भी 3.9% बढ़कर £10.85 से £11.27 प्रति घंटा हो जाएगा। ये बदलाव अप्रैल 2027 से लागू होंगे।

कारोबारियों ने व्यापार प्रकाशन The Morning Advertiser को बताया कि ऊर्जा बिलों, आपूर्तिकर्ताओं की कीमतों, संपत्ति संबंधी खर्चों और करों में बढ़ोतरी के साथ यह वृद्धि ऐसे क्षेत्र के मुनाफे के मार्जिन पर दबाव बढ़ा रही है, जहां कारोबार पहले से ही सीमित गुंजाइश में चलता है। कई लोगों ने कहा कि लागतों का संयुक्त बोझ शिफ्टों में कटौती, भर्ती की रफ्तार धीमी करने, खुलने के समय में कमी और ग्राहकों के लिए कीमतें बढ़ाने की वजह बन सकता है।

Greedy Gordons के प्रबंध निदेशक Richard Gordon ने प्रकाशन को बताया कि उनकी कंपनी को वेतन और उससे जुड़ी रोजगार लागत में सालाना लगभग £60,000 की वृद्धि की आशंका है। उन्होंने कहा कि कारोबार अपने कर्मचारियों को उचित वेतन देना चाहता है, लेकिन इन बढ़ोतरी को वित्तीय रूप से टिकाऊ रखना भी जरूरी है।

Gordon ने कहा कि पबों को कारोबार दरों, आपूर्तिकर्ताओं की लागत और ऊर्जा बिलों में बढ़ोतरी से भी जूझना पड़ रहा है और इन दबावों का असर मेन्यू तथा बार की कीमतों पर होगा। इसका असर केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, क्योंकि पबों में कीमतें बढ़ने से बीयर, वाइन और स्पिरिट्स की मांग पर भी असर पड़ सकता है—खासकर तब, जब उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्च घटाने लगें।

कई प्रतिष्ठान चलाने वाले Tim Skinner ने कहा कि रोजगार लागत बढ़ने से आतिथ्य कारोबार के लिए शुरुआती स्तर के अवसर पैदा करना कठिन हो रहा है। उनका तर्क था कि सरकार कारोबार चलाने की लागत लगातार बढ़ाते हुए संचालकों से अधिक कर्मचारियों की भर्ती और विकास के लिए निवेश की उम्मीद नहीं कर सकती।

उनकी टिप्पणियां क्षेत्र की उस व्यापक चिंता को दर्शाती हैं कि पब और रेस्तरां जैसे श्रम-प्रधान कारोबारों के पास अनिवार्य वेतन वृद्धि को अपने संचालन का तरीका बदले बिना वहन करने की गुंजाइश दूसरे उद्योगों से कम है। कई नियोक्ताओं के लिए श्रम सबसे बड़ी लागतों में से एक है और बड़े कर्मचारियों के दल तथा लंबे कारोबारी समय पर लागू होने पर मामूली प्रतिशत वृद्धि का भी काफी असर हो सकता है।

Barons के प्रबंध निदेशक और British Institute of Innkeeping के अध्यक्ष Clive Price ने The Morning Advertiser को बताया कि कई संचालक पहले ही उनके शब्दों में रक्षात्मक रुख अपना चुके हैं। उन्होंने कहा कि कुछ पबों ने शिफ्टों और कर्मचारियों की संख्या घटाई है, खुलने का समय कम किया है, वरिष्ठ कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी टाली है और निवेश योजनाओं का दायरा घटाया है।

Price के अनुमान के मुताबिक, अब एक कर्मचारी को नियुक्त करने में चार साल पहले की तुलना में सालाना लगभग £10,000 अधिक खर्च आता है। उन्होंने कहा कि इस रुझान से नियोक्ता भर्ती में अधिक चयनशील हो रहे हैं और मौजूदा टीमों से अधिक उत्पादकता की अपेक्षा कर रहे हैं। उनके अनुसार, इससे युवा कर्मचारियों को खास तौर पर मुश्किल होती है, क्योंकि वे पहली नौकरी और शुरुआती कार्य-अनुभव के लिए परंपरागत रूप से पबों और आतिथ्य कारोबारों पर निर्भर रहे हैं।

उन्होंने रोजगार लागत बढ़ाने और UKHospitality के साथ सरकार की हालिया साझेदारी के बीच तनाव पर भी सवाल उठाया। इस साझेदारी के तहत आतिथ्य कारोबारों ने ऐसे युवाओं के लिए तीन साल में 100,000 नौकरियां देने का संकल्प लिया है, जो शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण में नहीं हैं। Price ने कहा कि यह क्षेत्र अब भी बड़ी संख्या में नौकरियां देने की अच्छी स्थिति में है, लेकिन नीतिगत फैसलों से यह काम कठिन हो रहा है।

संचालकों ने वेतन-अंतर के सिमटने की समस्या भी उठाई। Butcombe Group के मुख्य परिचालन अधिकारी Jayson Perfect ने कहा कि अप्रैल 2027 की वृद्धि से नियोक्ताओं पर और दबाव पड़ेगा, क्योंकि उन्हें कम अनुभवी कर्मचारियों और सुपरवाइजर, शेफ तथा मैनेजर जैसे वरिष्ठ पदों के बीच वेतन-अंतर बनाए रखना होगा। जब वैधानिक न्यूनतम वेतन बढ़ता है, तो कारोबारों पर वेतन-ढांचे के ऊपरी स्तरों पर भी वेतन बढ़ाने का दबाव पड़ता है, भले ही उन पदों पर सीधे तौर पर यह वृद्धि लागू न होती हो।

Perfect ने कहा कि बजट में घोषित Small Business Rates राहत की ऊंची सीमा का स्वागत है, लेकिन इससे आतिथ्य

कंपनियों पर पड़ने वाला कुल लागत बोझ पूरी तरह कम नहीं होगा। उन्होंने वेतन वृद्धि, शुल्कों की लागत, आपूर्तिकर्ताओं की महंगाई, ऊर्जा बिल और संपत्ति से जुड़े अन्य खर्चों को संचयी दबाव का हिस्सा बताया।

यह बहस ऐसे समय हो रही है जब पबों को दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है : प्रभावी ढंग से संचालन के लिए पर्याप्त कर्मचारी बनाए रखना और पहले से कम मुनाफे के मार्जिन की रक्षा करना। क्षेत्र के कई नियोक्ताओं का कहना है कि वे सिद्धांत रूप में बेहतर वेतन का समर्थन करते हैं, लेकिन अन्य मदों में राहत के बिना बार-बार होने वाली बढ़ोतरी उनके विकल्प सीमित कर देती है। इन विकल्पों में खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ाना, भर्ती धीमी करना, नवीनीकरण टालना या कारोबार के घंटे घटाना शामिल हो सकता है।

पेय आपूर्तिकर्ताओं और ब्रांडों पर इसका असर केवल श्रम लागत तक सीमित नहीं रह सकता। यदि पब अपने खर्चों का अधिक हिस्सा ग्राहकों पर डालते हैं, तो बार में ऊंची कीमतें बीयर, साइडर, वाइन और स्पिरिट्स की बिक्री मात्रा पर दबाव डाल सकती हैं। यदि संचालक इसके बजाय कीमतों में बढ़ोतरी सीमित रखते हैं, तो दबाव कम खरीद, स्टॉक से जुड़े अधिक कड़े फैसलों या प्रीमियम उत्पाद श्रेणियों में घटे निवेश के रूप में दिख सकता है।

अप्रैल 2027 में वेतन वृद्धि लागू होने में अभी कई महीने बाकी हैं, लेकिन संचालक पहले से ही इसकी तैयारी कर रहे हैं। उनकी टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि आतिथ्य उद्योग लागत के दबाव के एक और वर्ष में प्रवेश कर रहा है और कई कारोबार न केवल प्रति घंटे अधिक वेतन, बल्कि कर्मचारियों के ढांचे, कीमतों और विस्तार योजनाओं पर पड़ने वाले बाद के असर को भी ध्यान में रखकर बजट बना रहे हैं।